पटेल फलिया में किया बोरी बंधान का निर्माण

निवाली। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विखं निवाली के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम और आदित्य शिक्षा एवं सामाजिक सेवा समिति ग्राम गुमड़िया बुजुर्ग विकास समिति द्वारा सेक्टर निवाली क्रं. 1 ग्राम पंचायत झाकर के पटेल फलिया में बोरी बंधान का निर्माण किया गया। झाकर निवासी भारत बिहारी ने कहा मध्यप्रदेश जन अभियान जो ग्रामीण क्षेत्रों में जो छोटे-छोटे बोरी बंधान के कार्य कर रही है। वह सराहनीय है। कार्य से ग्रामीणों को जल की कमी नहीं होगी। बोरी बंधान से लोगों को फसल व पशु-पक्षियों के लिए पानी मिलेगा। साथ ही आने वाले समय में पानी का स्रोत में कमी नहीं आएंगी एवं जमीन का जलस्तर बढ़ेगा। काग्रक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के मेंटर्स राकेश चौहान, आनंद खोटे, संतोष सेनानी, नरसिंह सोलंकी, विद्यार्थी, सेक्टर प्रभारी सुवालाल चौहान, रामलाल सोलंकी सरदार डाबर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य व भारत बिहार, विजय यादव, राकेश यादव, गणेश जाधव, संजय यादव, राजेंद्र यादव, सयाराम सोलंकी, सोनारिया सोलंकी, ग्रामीणों का सहयोग रहा।

उद्योगों के अभाव में अब भी पलायन जारी

बड़वानी जिले के औद्योगिक विकास की गति बेहद धीमी, तीन औद्योगिक क्षेत्रों में 55 इकाइयां संचालित, लेकिन बड़े उद्योगों का अभाव

बड़वानी, (नवभारत)।

आदिवासी बहुल बड़वानी जिला आज भी रोजगार के अभाव में बड़े पैमाने पर पलायन की मार झेल रहा है। स्थानीय लोगों को आज भी गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मजदूरी करने जाना पड़ता है। जिले के औद्योगिक विकास की उम्मीदें तब जगी थी जब लगभग 35-40 वर्ष पूर्व सेगांवा में औद्योगिक क्षेत्र प्रस्तावित हुआ था। उम्मीद थी कि उद्योग बसेंगे तो स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और पलायन रुकेगा। लेकिन जिले को 29 वर्ष पूर्व जिला का दर्जा मिलने के बाद भी स्थितियां करीब वैसी ही बनी हुई हैं।

जिले में वर्तमान में तीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं सेगांवा, सेंधवा और पलसूद, सेगांवा में 4 हेक्टेयर भूमि पर 20 भूखंड आवंटित किए गए थे, जिनमें से 18 पर छोटे उद्योग संचालित हैं, जबकि 2 भूखंडों पर निर्माण न होने से लीज निरस्ती की कार्रवाई की गई है। सेंधवा में 7 हेक्टेयर में 16 उद्योग संचालित हो रहे हैं। वहीं 11 हेक्टेयर में विकसित पलसूद औद्योगिक क्षेत्र में 24 में से 21 इकाइयां कार्यरत हैं और 3 भूखंडों की लीज निरस्त की जा रही है। जिले में 5 भूखंडों की लीज निरस्ती की कार्रवाई आयुक्त, औद्योगिक केंद्र भोपाल में अपील के रूप में लंबित है।

जिले में संचालित 55 औद्योगिक इकाइयां

जिले के तीन औद्योगिक क्षेत्रों में कुल 60 भूखंड हैं, जिनमें से 55 भूखंड पर औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। इनमें 20 फूड प्रोसेसिंग यूनिट (आइल मिल, ग्रेडिंग-सोर्टिंग, आटा मिल, मसाला, बेकरी, आइसक्रीम आदि) और 35 विनिर्माण इकाइयां (पेवर ब्लॉक, सीमेंट आर्टिकल, कॉटन जीनिंग, बारदान निर्माण, स्टोन कटिंग एवं पॉलिशिंग) शामिल हैं। जिले में फिलहाल कोई बड़ा उद्योग स्थापित नहीं है। विभाग ने ठीकरी जनपद के घटवा गांव में 21 हेक्टेयर भूमि नए औद्योगिक क्षेत्र के लिए प्रस्तावित कर शासन को भेजी है, जिसकी स्वीकृति मिलते ही नए उद्योग लगाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

ठंडे बस्ते में योजनाएं, उद्यमियों में निराशा

स्थानीय उद्यमियों का कहना है कि घटवा औद्योगिक क्षेत्र की योजना वर्षों से स्वीकृति का इंतजार कर रही है। योजना के तहत भूखंड, सड़क, बिजली-पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित किए जाने थे, लेकिन स्वीकृति लंबित होने से अधोसंरचना विकास शुरू नहीं हो पाया है। औद्योगिक प्लॉट के लिए बिजली लाइन और ट्रांसफार्मर लगाए जा चुके हैं पर कार्य शुरू नहीं होने से उद्यमियों में असंतोष है। कई युवा उद्यमी उद्योग लगाने को इच्छुक हैं पर जिले की धीमी औद्योगिक प्रगति के चलते वे निवेश को लेकर असमंजस में हैं।

ऑनलाइन आवेदन से भूखंड आवंटनए नई इकाइयों को अनुदान

जिले में भूखंड आवंटन ऑनलाइन आवेदन के आधार पर किया जाएगा। नई औद्योगिक इकाइयों को भवन निर्माण व मशीनरी पर आकर्षक अनुदान उपलब्ध है। सामान्य/ओबीसी पुरुष 40, अजा/अजजा पुरुष 48, सामान्य/ओबीसी महिला 48 और अजा/अजजा महिला 50 प्रतिशत पुरानी इकाइयों को अनुदान न मिलने से पुराने उद्यमी असमंजस में हैं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव राष्ट्रीय स्तर पर निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय योजनाओं की रफ्तार धीमी रहने से जिले में उद्यमियों की नाराजगी बढ़ रही है।

फैक्ट फाइल

जिले में अष्ट सिद्धि ऑयल मिल (सेगांवा), गंगा कोवरी कॉर्न फ्लैक (अंजड़) और दुर्गा मैन्युफैक्चरिंग (राजपुर) को इकाई शुरू होने के बाद 48 प्रतिशत अनुदान दिया गया है।

जिले में तीन औद्योगिक क्षेत्र संचालित हैं तथा घटवा में नए औद्योगिक क्षेत्र का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। नए उद्योगों के लिए 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है, जिससे आने वाले समय में जिले में उद्योग और रोजगार दोनों बढ़ने की संभावना है।

कैलाश माल, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र बड़वानी

जिले में रोजगार का अभाव

- आदिवासी बहुल बड़वानी जिले में आज भी रोजगार का अभाव।

लगाना चाहिए दिव्यांग आश्रम का बोर्ड

निवाली, (नवभारत)।

नगर में निवाली से राजपुर हाईवे पर कांता विकलांग आश्रम नामक संस्था के छात्र-छात्राओं के दो अलग-अलग आवासीय विद्यालय/आश्रम है यहां सरकारी दस्तावेजों में अभी भी विकलांग शब्द का उपयोग किया जा रहा है व पीडब्ल्यूडी विभाग का संकेतक बोर्ड पर भी विकलांग आश्रम लिख रखा है जो अशोभनीय लगता है। प्रबुद्ध नागरिकों को मानना है कि संस्थान को इस ओर ध्यान देना चाहिए जबकि इस परिवर्तन का उद्देश्य भाषा में संवेदनशीलता लाना और राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए गए शब्दावली के साथ सामंजस्य स्थापित करना है।

दिव्यांग शब्द हमारे बच्चों

और अभ्यागतों के प्रति हमारी सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सरकारी दिशा-निर्देश

केन्द्र सरकार ने 2016 में दिव्यांग शब्द को आधिकारिक दस्तावेजों में उपयोग करने की सिफारिश की थी। इसके बाद कई राज्यों ने इस शब्द को अपनाया व सार्वजनिक स्थानों पर विकलांग शब्द को हटाया। विकलांग शब्द को हटाकर दिव्यांग शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम सरकारी स्तर पर 2016 के आस-पास शुरू हुआ।

विकलांग शब्द पहले अधिक प्रचलित था, लेकिन अब इसे पुराना माना जाने लगा है। दिव्यांग शब्द अब अधिक प्रचलित हो रहा है, विशेष रूप से सरकारी और आधिकारिक दस्तावेजों में। विकलांग शब्द कुछ लोगों को अपमानजनक या नकारात्मक लगता है। दिव्यांग शब्द अधिक सकारात्मक और सम्मानजनक माना जाता है। इस और संचालन बोर्ड और शासन को भी शीघ्र ध्यान देना चाहिए और विकलांग आश्रम के बोर्ड को हटाकर दिव्यांग आश्रम का बोर्ड लगाना चाहिए।

सीसीआई की कपास खरीदी में किसानों का कपास रिजेक्ट

नवभारत न्यूज़
सेंधवा, (रमन बोरखड़े)
10 दिसम्बर

शहर के किला परिसर में केंद्र सरकार की कपास खरीदी प्रक्रिया के दौरान दो किसानों की खेप को खराब बताकर रिजेक्ट कर दिया गया। ग्राम जरवाह, तहसील ठीकरी के किसान धर्मेंद्र सिंह पिता भरत कपास की 25 क्विंटल खेप लेकर आए थे। उन्हें सीसीआई अधिकारियों ने यह कहते हुए वापस लौटा दिया कि कपास खराब है। इसी तरह राजपुर तहसील के ग्राम रेवजा के किसान विनोद रामसिंह ने बताया कि वे ट्रैक्टर से कपास लेकर पहुंचे थे, लेकिन अधिकारियों ने उनकी कपास को भी खराब बताकर अस्वीकार कर दिया।

बिना मॉइश्चर मशीन खरीदी, उठे सवाल

मौके पर किसानों ने कहा कि किला परिसर में बिना मॉइश्चर मशीन कपास खरीदी की जा रही है, जिससे नमी की सही जांच संभव नहीं है। नाम नहीं बताने की शर्त पर किसानों का कहना था कि कई बार कपास खरीदने के बाद जीनिंग में पहुंचने पर नमी बताकर भाव कम कर दिए जाते हैं। हालांकि अभी तक किसी किसान ने औपचारिक शिकायत नहीं की है। बता दे कपास वाहन को आधा खाली कराकर खराब बताने तथा जीनिंग में पहुंचने के बाद कपास में नमी बता कर मूल्य घटाने के मामलों को लेकर किसान संगठन अब शिकायत दर्ज कराने की तैयारी में हैं। बता दे बीते वर्षों में सीसीआई की कपास खरीदी में सवाल उठे थे, तत्कालीन विधायक ने भी मामले में शिकायत की थी।

अधिकारियों पर डाली जिम्मेदारी

मौके पर सीसीआई के अस्थाई कर्मी इरफान मंसूरी और एक अन्य कर्मचारी किसानों की खेप देखकर भाव लिख रहे थे। जब उनसे पूछा कि दो किसानों की कपास को खराब कैसे बताया गया, तो उन्होंने कहा कि इसका जवाब उनके साहब रवि पाराशर ही दे सकते हैं। बाद में पाराशर ने बताया कि कपास में कोढी होने के कारण उसे रिजेक्ट किया गया है।

जिला किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सिलदार सोलंकी ने बताया कि मुझे भी शिकायतें मिल रही है। यदि मंडी में सीसीआई अधिकारियों द्वारा जो भाव तय किया जाता है और बाद में जीनिंग में जाकर कम भाव दिए जाते हैं तो किसानों के साथ यह धोखाधड़ी नहीं होने दी जाएगी।

मंडी में खरीदी जारी हे

भारतीय कपास निगम सीसीआई द्वारा कृषि उपज मंडी में कपास खरीदी नियमित रूप से जारी है। सीसीआई से के मुताबिक वर्तमान सीजन में समर्थन मूल्य पर न्यूनतम 7690 और अधिकतम 8010 रुपए प्रति क्विंटल तक का भाव दिया जा रहा है।

एक नजर में

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का आईपीए 12 को खुलेगा

इंदौर. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड अपने इनिशियल पब्लिक ऑफर में इक्विटी शेयर्स के लिए बिड/ऑफर 12 दिसंबर को खोलेगी और 16 दिसंबर को बंद करेगी. एंकर इन्वेस्टर बिडिंग डेट 11 दिसंबर होगी. यह ऑफर कंपनी के एक प्रमोटर, यानी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा ऑफर फॉर सेल के जरिए अधिकतम 48,972,994 इक्विटी शेयर्स तक का है. ऑफर में पात्र आईसीआईसीआई बैंक शेयरहोल्डर्स के लिए अधिकतम 2,448,649 इक्विटी शेयर्स का रिजर्वेशन शामिल है. आईसीआईसीआई बैंक शेयरहोल्डर रिजर्वेशन पोर्शन को घटाने के बाद बचा ऑफर नेट ऑफर कहलाएगा. ऑफर और नेट ऑफर क्रमशः ऑफर के बाद कंपनी के पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल का 9.91% और 9.41% हिस्सा होंगे। इक्विटी शेयर्स कंपनी के 5 दिसंबर 2025 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के जरिए ऑफर किए जा रहे हैं, जिसे दिल्ली और हरियाणा में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, नई दिल्ली (आरओस) के पास फाइल किया गया है.

ऑडी डैश कैम अब और मजबूत सुरक्षा के साथ

इंदौर. ग्राहकों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऑडी इंडिया अपनी तकनीकी प्रगति को और आगे बढ़ा रही है. इसी क्रम में ब्रांड ने भारत में ऑडी डैश कैम लॉन्च की है- जो न केवल ड्राइविंग के दौरान बल्कि पार्किंग स्थिति में भी वाहन को रियल-टाइम सुरक्षा प्रदान करती है. 68,000 रुपये कीमत वाली यह डैश कैम सभी ऑडी मॉडलों के लिए उपयुक्त है और इसे नई कार की डिलीवरी के समय या मौजूदा वाहनों में रेट्रोफिट के रूप में इंस्टॉल कराया जा सकता है. ऑडी डैश कैम आधुनिक रिकॉर्डिंग क्षमताओं और आसान ऐप-आधारित संचालन के साथ पूर्ण इन-कार सर्विलांस प्रदान करती है. इसमें क्यूएचडी रिज़ॉल्यूशन, स्मार्ट बैटरी प्रोटेक्शन और मोबाइल ऐप कंट्रोल जैसी खूबियाँ शामिल हैं. इवेंट-ट्रिगर रिकॉर्डिंग और पार्किंग निगरानी मोड के कारण यह सिस्टम हिट-एंड-रन, वाहन से छेड़छाड़, स्टेज्ड एक्सीडेंट या अन्य अनचाहे घटनाओं के दौरान स्वत: रिकॉर्डिंग शुरू कर देता है. ऑडी डैश कैम अब भारत के सभी अधिकृत ऑडी डीलरशिप पर उपलब्ध है.

डॉ. कर्नावट राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पालीवाल अंचल सचिव

इंदौर. बैंक ऑफ बड़ौदा रिटायर्ड आफिसर्स एसोसिएशन की मप्र और छत्तीसगढ अंचल समिति के पदाधिकारियों के चार वर्षीय चुनाव संपन्न हुए. इस

चुनाव में पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन हुआ. जीएन अग्रवाल इन्दौर अध्यक्ष, एसएन पालीवाल भोपाल अंचल सचिव, पीएस पैठनकर इन्दौर तथा उमाकांत गजभिए, जबलपुर उपाध्यक्ष, संजीव करंबेलकर इन्दौर तथा एस एंटोनीसामी रायपुर सहायक अंचल सचिव एवं अजेय कुमार भोपाल कोषाध्यक्ष चुने गए. पीडी जोशी इन्दौर सहायक कोषाध्यक्ष, एस सत्यम जबलपुर, अनिल देशमुख ग्वालियर अंचल समिति के सदस्य मनोनीत किए गए. इसके साथ ही एसोसिएशन की गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के रूप में डॉ जवाहर कर्नावट भोपाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा रंजीत कुमार मोंडल रायपुर राष्ट्रीय सहायक महासचिव चुने गए. गवर्निंग काउंसिल के अन्य सदस्यों में कैलाश चन्द्र माहेश्वरी इन्दौर, जिनेन्द्र जैन, रतलाम, दीपक मोहिते इन्दौर चुने गए.

रील वर्ल्ड एंटरटेनमेंट ने 'चथा पचा' का पोस्टर जारी किया

इंदौर. रील वर्ल्ड एंटरटेनमेंट की पैन इंडियन मूवी 'चथा पचा' को लेकर पहले से ही फैंस में ज़बरदस्त उत्साह है. ऐसे समय में रोशन मैथ्यू के किरदार वेट्री का यह पोस्टर रिलीज़ होते ही चर्चा का बड़ा विषय बन गया. यह अनावरण सिनेमा की दुनिया में एक्टर के शानदार दस साल का जश्न मनाने का बिल्कुल सही समय साबित हो रहा है. इस किरदार का पोस्टर तब रिलीज़ किया गया, जबकि 'चथा पचा' को लेकर लोगों के उत्साह पहले से ही अपने चरम पर है. फिल्म का जानदार टीज़र हाल ही में जारी हुआ था, जिसने कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया था. और अब, रोशन मैथ्यू का पोस्टर रिलीज़ होने के बाद फिल्म को लेकर रोमांच और बढ़ गया है. फिल्म में रोशन मैथ्यू के साथ अर्जुन अशोकन, विशाक नैयर, ईशान शौकत और इंडस्ट्री के कई दमदार कलाकार नज़र आएंगे. फिल्म जनवरी 2026 में अपने भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ के लिए पूरी तरह तैयार है.

नेशनल लोक अदालत 13 दिसम्बर को

इंदौर. मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार आगामी 13 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है. लोक अदालत में बीएसएनएल द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु जिला न्यायालय इंदौर एवं तहसील महू में बकाया लैंडलाइन, ब्रॉडबैंड, एफटीटीएच सहित मोबाइल पोस्टपेड बिल संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निपटान किया जाएगा.

समय सीमा प्रकरणों पर कलेक्टर की चेतावनी

मुख्यमंत्री की मंशा और निर्देश अधिकारियों को याद दिलाए

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों में लेट लतीफी करने के लिए चेतावनी दी. अधिकारियों को बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा और निर्देश का पालन समय सीमा में पूरा करें. कलेक्टर ने कहा कि एसआईआर कार्य पूरा हो चुका है, अब अगले चरण में मेपिंग और दावे आपत्ति पर कार्य होगा.

कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज समय सीमा बैठक में अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों में देरी एक लिए चेतावनी दी. साथ ही कहा कि राजस्व प्रकरण नामांतरण, बटांकन कार्य समय सीमा में पूरे होना चाहिए। यह मुख्यमंत्री की मंशा और निर्देश भी है. साथ ही कलेक्टर ने चार अलग अलग प्रकरणों में देरी के लिए अधिकारियों को कार्रवाई करने की हिदायत दी, जिसमें मोरोड़ ग्राम में कंट्रोल पर्ची, बैंक में राशि देने में बिलंब, वृद्धवस्था पेंशन और आयुष्मान कार्ड के मामले थे.

एसआईआर के अगले चरण के लिए तैयार रहें

कलेक्टर वर्मा ने कहा कि एसआईआर का काम पूरा हो गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अगले चरण में मेपिंग और दावे आपत्ति सुनवाई की जाएगी, जिसके लिए सभी तैयार रहें. उक्त कार्य भी समय सीमा में करना है.

अंतर महाविद्यालयीन क्रिकेट स्पर्धा में रेनेसां महाविद्यालय विजेता

इंदौर. शासकीय आदर्श होलकर विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल की अंतर महाविद्यालयीन जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच रेनेसां महाविद्यालय और यूटीडी के मध्य खेला गया. जिसमें रेनेसां महाविद्यालय ने यह मुकाबला 94 रन से जीत कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया.

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि इंदौर संभाग के अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, डॉ.आर.सी. दीक्षित, महाविद्यालय की प्राचार्या, डॉ. अनामिका जैन, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगांवकर, कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक डॉ. पी. के. शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ. अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एवं स्पर्धा के संगठन सचिव डॉ. अनुपम शर्मा, डॉ.शुभदा भोंसले, आशीष यादव, कु. रूपाली प्रजापत के द्वारा किया गया. इंदौर जिला क्रिकेट (पुरुष) टीम की चयन समिति सदस्यों के रूप में प्रो. (डॉ.) दीपक मेहता, डॉ. एस. एस.सिद्धू, डॉ. निलेश मंडलोई, डॉ. राघव जायसवाल एवं श्री भूषण वर्मा मौजूद रहे इन सभी का स्वागत महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग के प्राध्यापकों के द्वारा किया गया. इस मौके पर इंदौर जिले के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी सीबी होलकर, डॉ. विकास कौशिक, डॉ. अविनाश यादव, डॉ. अनुराग हार्डिया, डॉ. प्रवीण माने ने स्पर्धा को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अनुपम शर्मा ने बताया कि इस स्पर्धा के आधार पर इंदौर जिला क्रिकेट (पुरुष) टीम का चयन किया जाएगा. जो आगामी दिनों में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व शा. आदर्श होलकर विज्ञान महाविद्यालय को सौंपा गया है.

नए श्रम कानून श्रमिकों और देश के हित में है

इन्दौर. श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति के समसायिक अध्ययन केन्द्र द्वारा 'नये श्रम कानून के प्रभाव' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता आत्माराम खेड़िया, पूर्व न्यायाधीश, श्रम न्यायालय ने की. उन्होंने कहा समय-समय पर कानून तो बनते रहते है. नये श्रमिक कानून में बहुत अच्छे प्रावधान भी है पर सवाल यह है कि वह किस हद तक लागू हो सकेंगे.

अर्थशास्त्री डॉ. जयंतीलाल भण्डारी ने कहा कि भारत में ये नए कानून श्रमिकों के साथ देश के विकास में बहुत अहम भूमिका निभाएंगे. देश और दुनिया में इन नये कानूनों पर चर्चा हो रही है, उन्होंने कहा कि ये नए श्रमिक कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जायेंगें. उन्होंने विस्तार से चर्चा करते हुए श्रमिक, श्रमिक क्षेत्र, उद्योग, वेतन, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा आदि विषयों पर प्रकाश डाला. साथ ही उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत समान कार्य के लिए महिलाओं और पुरुषों को वेतन समान दिया जायेगा. विशेष तौर से आईटी सेक्टर के लोगों को सुरक्षा मिल सकेगी. करीब 50 करोड़ श्रमिक इस नये कानून के तहत आ सकेंगे और 75 लाख नये रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे.

उन्होंने कहा कि कारोबार में एक नई गति आयेगी. वरिष्ठ एडवोकेट गिरीश पटवर्धन ने कहा कि इन नए कानून में श्रमिक और नियोक्ता, वेतन, बोनस, भुगतान नियम, सामाजिक सुरक्षा, कल्याण, ग्रेच्युटी एक्ट आदि अनेक विषयों को समाहित किया गया है, इसमें बहुत से कानून म.प्र. में पहले से ही लागू है. प्रोजेक्टर के माध्यम से संबंधित विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी.

आरम्भ में कार्यक्रम का संचालन कर रही केन्द्र की मंत्री डॉ. मीनाक्षी स्वामी ने विषय प्रवर्तन किया. अतिथियों का स्वागत अरविन्द ओझा, घनश्याम यादव ने किया. स्वागत उद्बोधन अरविन्द जवलेकर ने किया. अतिथियों को स्मृति चिन्ह डॉ. जयंतीलाल भण्डारी ने प्रदान किये. आभार हरेराम वाजपेयी ने माना. उपस्थित लोगों के द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर भी प्रदान किये गये.

बच्चों को शिक्षा के लिए कर रहे प्रेरित

इंदौर. पिछले एक दशक में भारत में बच्चों की शिक्षा और अवसरों तक पहुंच में एक धीमा लेकिन प्रभावशाली बदलाव देखा गया है. इस बदलाव के केंद्र में सबसे आगे है पी एंड जी इंडिया का प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम- पीएंडजी शिक्षा- जो सिर्फ़ शिक्षा पर ध्यान देकर अपनी कोशिशों से एजुकेशन के इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत कर रहा है, सीखने के नतीजों को बेहतर बना रहा है, और 50 लाख से ज़्यादा बच्चों के लिए इरेज़ द लर्निंग गेप में मदद कर रहा है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के वादे के रूप में शुरू हुई यह पहल अब एक राष्ट्रव्यापी संचलन बन चुकी है- जिसे पी एंड जी इंडिया के कर्मचारी आगे बढ़ा रहे हैं, जो एक बार फिर पी एंड जी शिक्षा समर्थित स्कूलों में जाकर बच्चों को प्रेरित कर रहे हैं, मार्गदर्शन दे रहे हैं और उनकी क्षमता पर विश्वास जगाकर उन्हें सशक्त बना रहे हैं. इस तरह के प्रयासों के ज़रिए पी एंड जी शिक्षा के वॉलंटियर्स पाठ्यपुस्तकों से परे सीखने को जीवंत बनाते हैं. वे युवा शिक्षार्थियों को वह सब कुछ प्रदान करते हैं जिसकी उन्हें सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है- संपर्क, प्रोत्साहन और खुद पर विश्वास. बाल दिवस पर शुरू की गई पी एंड जी शिक्षाकी वॉलंटियर ड्राइव को अंतर्राष्ट्रीय वॉलंटियर दिवस पर और मजबूत किया गया जिसका उद्देश्य क्लासरुम स्टडी को सार्थक तरीके से पूरक बनाना है. फोकस क्षेत्रों को मजबूत जीवन कौशल और सीखने की प्रासंगिकता बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता शामिल है, जो बच्चों को लचीलापन, आत्म विश्वास, सहानुभूति और सामाजिक कौशल को मजबूत करने में मदद कर सकती है.

एक नजर में अग्रवाल समाज महिला महासभा का आयोजन, मंगल पाठ भी किया

56 भोग समर्पित कर धूमधाम से मनाया दादी का जन्मोत्सव

इंदौर. अग्रवाल समाज महिला महासभा के तत्वावधान में मनोरमा गंज स्थित गीता भवन के सत्संग सभागृह में अग्रवाल सोशल माधवी ग्रुप के सहयोग से 200 से अधिक महिलाओं ने दादी जी के मंगल पाठ का अनूठा आयोजन मंगल ज्योत, चुनरी समर्पण, 56 भोग, ध्वजा, हल्दी एवं मेहंदी उत्सव के साथ धूमधाम से संजोया.

महासभा की संस्थापक राधा-राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, विष्णु बिंदल, हितेश बिंदल, राजेश गर्ग, गोविंद सिंघल सहित अनेक अतिथियों ने शामिल होकर व्रतधारी महिलाओं का उत्साहवर्धन किया. अतिथियों का स्वागत सीमा-श्याम अग्रवाल, संध्या-चौथमल गुप्ता, सुमन-संजय अग्रवाल, तारा-पुरुषोत्तम अग्रवाल, शीतल-मनोज अग्रवाल, वनिता-विवेक अग्रवाल, भावना-गोविंद अग्रवाल, दीपल-आनंद गर्ग, तरुण बंसल एवं किशन गुप्ता भी विशेषरूप से उपस्थित थे. मातृशक्ति ने इस उत्सव में दोपहर में दादी की भव्य मंगल ज्योत प्रज्वलित कर मंगल पाठ का पुण्य लाभ उठाया,

251 मीटर की चुनरी समर्पित की

उत्सव में दादी को 251 मीटर की चुनरी भी समर्पित की गई और ध्वजा, हल्दी एवं मेहंदी उत्सव को भी पोरे जोश और उल्लास के साथ आत्मसाध किया। इस दौरान बार-बार गीता भवन का सभागृह दादी जी के जयघोष से गूंजता रहा। कार्यक्रम में सुश्री दिशा विजय अग्रवाल का सम्मान भी किया गया।